www.a2zSubjects.com

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

 (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

 (Name) ______________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________
(In words)

J 8 5 1 5

PAPER - II
KONKANI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **12** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

KONKANI
कोंकणी
PAPER - II
प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न अनिवार्य है।।

सुचोवण्यो : (i) ह्या प्रश्नपत्रांत वट्ट पन्नास **(50)** भौपर्यायी जापेच प्रस्न आसात.

(ii) दर एका प्रस्नाची जाप ताचे सकयल दिल्ल्या (1), (2), (3) (4) ह्या चार अक्षरांतल्या फावो त्या अक्षराचेर कुरू करून दिंवची.

(iii) दर प्रस्नाचा सारके जापेक दोन **(2)** गुण दवरल्यात.

(iv) सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो दिंवच्यो.

1. ''पुरायतरेन मौखीक परंपरेंत जगपी संस्कृतींत मेळपी सगळेंच म्हळ्यार लोकवेद!'' अशी लोकवेदाची व्याख्या कोणे केल्या ?

(1) ऑरिलिओ एस्पीनोझा (2) बी.ए. बॉटकीन
(3) डॉ. दिनेश चंद्रसेन (4) डॉ. ना.गो. कालेलकर

2. माधुर्य आनी सुकुमारताय हो गुण __________ रीतिन आस्पावतात.

(1) पांचालिका (2) वैदर्भी (3) पांचाली (4) गौडी

3. 'भजगोविन्दम्' ह्या शंकराचार्यांचा संस्कृत स्तोत्राचो कोंकणी अणकार कोणे केला ?

(1) रवींद्र केलेकार (2) सुरेश आमोणकर
(3) नागेश सौंदे (4) बाकीबाब बोरकर

4. 'सोळाव्या शेंकड्या-आदलें कोंकणी रामायण' हें पुस्तक खंयच्या वर्सा उजवाडा आयलें ?

(1) 1996 (2) 1994 (3) 1995 (4) 1997

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

5. लक्ष्मणराव सरदेसाय हांच्या मतान 'वेव्हारांतली नीत वा अनीत कथाकाराक लागना' कारण :

(1) वेव्हारांतली नीत नेमान बदलना.
(2) वेव्हाारांतली नीत बदलत आसता.
(3) वेव्हार नीतीप्रमाण बदलता.
(4) नीती वेव्हाराप्रमाण बदलता.

6. __________ हांका आर्पिल्ल्या भासविज्ञानाचें मूळ पुरूस मानतात.

(1) सोस्यूर
(2) आंत्वान मेय्ये
(3) रोमान याकोपस
(4) लुई होल्म्स्लेव्ह

7. ''साहित्याचो आशय अमर्याद मानवी तत्त्वांकडेन नातें सांगता. ग्रामीण प्रादेशिक साहित्यांतय वैश्वीकतेकडेन झेप घेवपाची तांक आसूं येता. हे तांचे साहित्य वाचतकीच मतींत येता.'' अशे कोणे कोणाच्या साहित्या विशीं म्हटलां ?

(1) हरिश्चंद्र नागवेंकार हांणी गजानन जोग हांच्या साहित्यसंबंधान
(2) दामोदर मावजो हांणी लक्ष्मणराव सरदेसाय हांच्या साहित्यासंबंधान
(3) भूषण भावे हांणी पुंडलीक नायक हांच्या साहित्यासंबंधान
(4) लक्ष्मणराव सरदेसाय हांणी पुंडलीक नायक हांच्या साहित्यासंबंधान

8. 'कोंकणी सांगाती' हें पुस्तक हांतुतल्या कोणाचें ?

(1) मेथ्यू आल्मैद
(2) सुरेश पै
(3) मोहन कारापुकार
(4) सुरेश बोरकार

9. 'स्वतंत्र गोंयांतली कोंकणी कविता' ह्या प्रातिनिधीक कविताझोल्यांत आस्पाविल्ल्यो कविता हांतुतल्या खंयच्या कालखंडातल्यो आसात ?

(1) 1960 - 1970
(2) 1962 - 1977
(3) 1961 - 1971
(4) 1965 - 1975

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

10. सकयल दिल्ले खयचें पुस्तक जयंती नायक हांचे न्हय ?

(1) कणेर खुंटी नारी
(2) रथा तुज्यो घुडयो
(3) मानांली गीतां
(4) गोंयचीं बालगीतां

11. 'लिथुएनियन आनी लॅटनियन' ह्या भासांचे उपकूल __________ जावन आसा.

(1) बाल्टीक
(2) हॅलेनिक
(3) स्लावोनीक
(4) कॅल्टीक

12. 'साहित्य नवनीत' हें कोंकणीतलें समीक्षणात्मक पुस्तक खंयच्या प्रकाशनान उजवाडा हाडलां ?

(1) कोंकणी भाशा मंडळ
(2) स्नेह प्रकाशन
(3) साहित्य अकादेमी
(4) कोंकण टायम्स पब्लिकेशन

13. 'आयब' हो निबंद हांतुतल्या कोणाचो ?

(1) प्रकाश थळी
(2) शांताराम हेदो
(3) तुकाराम रामा शेट
(4) अच्युत तोटेकार

14. 'यशोदी सुन्दरी कृष्णु भारी
करता गो मुरारी संगता तुका'
ह्यो वळी केरळांतल्या खंयच्या काव्यानल्यो आसात ?

(1) वळारू
(2) वेंकटेशकल्याण
(3) भावूल गाय
(4) गणपतीचो लड्डू

15. 'गुणविपर्ययात्मानो दोषः' अशी काव्यातल्या दोशाची व्याख्या हांतुतल्या कोणे केल्या ?

(1) भरतमुनी
(2) वामन
(3) भामह
(4) दण्डी

16. 'रिगलो जेझ्रु मळयांतु' हे __________ काव्य जावन आसा।

(1) खण्डकाव्य
(2) गीतकाव्य
(3) म्हाकाव्य
(4) भावकाव्य

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

17. सकयल दिल्ले खयचें विधान बरोबर आसा ?

(1) विवरणावेल्यान अर्थाचो बोध जायना.

(2) रूढी जांव प्रयोजन आसल्यारच लक्षणा जाता.

(3) व्यंगार्थ कळपाखातीर व्याकरणाच्या गिन्यानाची गरज आसा.

(4) उत्कृष्ट काव्यात चड ध्वनी आनी कमी सुचोवणी आसता तें काव्य हय.

18. ''येवरोपाचो संस्कृत व्याकरण-विचारा कडेन संबंद येवंक नाशिल्लो जाल्यार घडये भासविज्ञान आयज वेगळेच वाटेन चलिल्लें पळोवंक मेळपाचें.'' अशें भासविज्ञानातल्या खंयच्या जाणकारान म्हळां ?

(1) थाकोप ग्रिम (2) फ्रांट्स बॉप (3) आर एच रॉबिन्स (4) कार्ल व्हेर्नर

19. 'क्रुझाचो पाय' ही कथा हांतुतल्या कोणाची ?

(1) दामोदर मावजो (2) विन्सी क्वाद्रुस (3) गजानन जोग (4) जयंती नायक

20. सकयल दिल्ले खंयचे विधान चूक आसा ?

(1) चा.क्रा. चो खरो पिंड कवीचो आसा.

(2) पांडुरंग भांगी हांची कविता सदांच आशावादी जावन आसा.

(3) कानडी साहित्यांत एक समर्थ कवी म्हणून नामना प्रविल्या दिनकर देसायांची कवनां सुरबूस !

(4) प्रकाश पाडगांवकाराच्या 'उजवाडाच्या पावलां' क काळरवाची चड ओड.

21. 'कोंकणी व्याकरण' ह्या सुरेश बोरकार हांच्या व्याकरणाच्या पुस्तकाक __________ ह्या दिसा 'अधिकृत व्याकरण' म्हणून मान्यताय मेळ्ळ्या.

(1) 5.5.1970 (2) 6.6.1985

(3) 7.8.1972 (4) 6.8.1986

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

22. 'कर्मधारय' समासाची देख हांतुतली खंयची ?

(1) पंचवटी (2) चंद्रमुख (3) खरेंफट (4) निर्धन

23. 'आबोल्यां झेलो, फुलां तुरो, जांबळां घोस' ... तशेंच सुरंगा __________ .

(1) फांती (2) शिकळी (3) वळेसर (4) पोड

24. सकयल दिल्ल्या वाक्यातले 'मिश्र वाक्य' वळखात.

(1) ताणें काम केल्यार ताका दुडू मेळटलो.

(2) एक दीस दनपारच्या वेळार एक मनीस म्हाका सोंदूक आयलो.

(3) मनीस गिन्यान जोडटा कित्याक तर देवान ताका तितली तांक दिल्या.

(4) दुसऱ्याक वाज येत अशें आपणें केन्ना उलोवचें न्हय.

25. सकयल दिल्ले कडवें योग्य तो पर्यायि वेंचून पुराय करात.

'फुटलों हांव दिकांपार
खोल स्वासांचे रूजवण
मळबाचें माये परस
....

(1) गच्च नक्षत्रांची तारवां (2) म्हजे सावळेचो सरांव

(3) निळसर नदरेचें मन (4) मोन्या उतरांची अमोर

26. सकयल दिल्ली खंयची दोन विधानां बरोबर आसात ?

(a) अतिशयोक्ती अलंकारात उपमेयाक उपमान म्हणी नात.

(b) उत्प्रेक्षा ह्या उतरांत प्रत्यक्ष वस्तूपरस कल्पनेचेर चड भर आसता.

(c) अपन्हुती अलंकारात एक वस्तू खरी आसून ती दुसरीच आसता.

(d) निश्चय अलंकार उपमान न्हयकारून उपमेय आसा अशें सांगता.

(1) (a) आनी (c) (2) (b) आनी (c) (3) (b) आनी (d) (4) (a) आनी (d)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

27. फावो त्यो जोडयो लायात.

(a)	केंस तुजे रेशमा-काळे आनीक दोळे मळबा-निळे	(i)	पांडुरंग भांगी
(b)	काळखाचो हिमालय आरपार फोडून दशांगुळां उल्ली वताची पावळी	(ii)	गजानन रायकार
(c)	मळावयल्या सरयांतलें हांव रे तुजें गोरूं। कवळो चरव चरचे सोडून सोत्ता तुका धरूं।	(iii)	प्रकाश आचार्य
(d)	तूं भूमातेचो आविष्कार हे स्त्रिये तुका वंदन त्रिवार	(iv)	प्रकाश पाडगांवकर
		(v)	र.वि. पंडित

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(v)	(i)
(2)	(v)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(iv)	(v)	(iii)	(i)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(v)

28. रूप्यकान __________ कितले अलंकार सोगल्यात.

(1) 85 (2) 82 (3) 81 (4) 84

29. 'पिसोळीं' ह्या कविता झेल्याक 1980 आ वर्सा साहित्य अकादेमीच्या पुरस्काराबरोबर आनीक खंयचो पुरस्कार फावो जालो ?

(1) सरस्पती सन्मान (2) साहित्य शारदा

(3) कोंकणी भाशा मंडळ (4) जनगंगा

30. 'लोकवेद म्हळयार पुराय लोकसंस्कृति न्हय तर तो लोकसंस्कृतीचो एक महत्त्वपूर्ण भाग आसा' अशें लोकसंस्कृतीविशीं कोणे म्हळां ?

(1) डॉ. रा.चि. ढेरे (2) डॉ. पांडुरंग फळदेसाय

(3) डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय (4) डॉ. प.कृ. गोडे

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

31. 'वैवर्ण्य' हो __________ भाव आसा.

(1) व्यभिचारीभाव (2) अनुभाव (3) सात्विकभाव (4) उद्दिपनभाव

32. ''अर्थविज्ञान हीं दोनूय तरांची नांतीं हिसपांत घेता पूण चड 'मितरल्या' नात्याचेर पातयेवन रावता.'' कित्याक तर :

(1) भास म्हळयार भितरल्या आनी भायल्या नात्यांचो अर्थ.

(2) भास म्हळयार असो संसार जातूंत भितल्लो आनी भायलो संसार आस्पावता.

(3) भास म्हळयार फक्त नांवांचें गांठलें न्हय, तर एक एक भास म्हळयार एक एक खाशेले संवसार.

(4) भास म्हळयार भितल्या आनी भायल्या नात्यांचो संवसार.

33. 'ट' आनी 'ठ' हे नाद __________ आसात.

(1) मूर्धन्य (2) तालव्य (3) कण्ठ्य (4) ओष्ठ्य

34. 'ती तिटापै-कशी कोण उबी थैं?' - अशें 'मोगाचें लग्न' ह्या नाटकांत कोणे कोणाक म्हटलें?

(1) घारूदादान फुलग्याक (2) बाबग्यान फलग्याक

(3) घारूदादान बाबग्याक (4) बाबग्यान घारूदादाक

35. फावो त्यो जोड्यो लायात :

(a)	हिन्दी-कोंकणी भाशाशास्त्रीय तुलनात्मक अध्ययन	(i)	चंद्रकान्त केणी
(b)	हिन्दी-कोंकणी शब्दकोश	(ii)	ए. आतियाद लोबो
(c)	इंग्लिश-कोंकणी-हिंदी उतरावळ	(iii)	श्रीपाद देसाय
(d)	कोंकणी-इंग्लिश शब्दकोश	(iv)	डॉ. अनंत भट
		(v)	एल.ए. रोड्रिगिश

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(2)	(ii)	(v)	(iv)	(i)
(3)	(v)	(i)	(ii)	(iv)
(4)	(iv)	(v)	(i)	(ii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

36. ‘गोंयात जितलो काव्याक चंवर आयलो तितलो आनी तसो तो मंगळुरांत आयलो ना’ कारण __________ .

(1) मंगळुरांत कविता बरोवपी खूप कमी लोक आशिल्ले.

(2) मंगळुरात काव्यापरस कादंबरी आनी नाटक हांकाच चड म्हत्त्व आयलें.

(3) मंगळुरांत लोक कानडी भाशेत कविता चड बरोवंक लागले.

(4) मंगळुरांत लोकांक काव्यापरस नाटक चड मानवलें.

37. 18 व्या शतमानांत ‘बारोक’ ह्या उतराचो प्रयोग कसल्या विचारसरणीच्या विद्वांनांनी केलो ?

(1) प्रतीकवादी समीक्षकांनी (2) अस्तीत्ववादी टीकाकारांनी

(3) नव-शास्त्रवादी आलोचकांनी (4) स्वच्छंदतावादी विद्वांनांनी

38. कन्नड भाशेंत लोकवेदाक __________ अशें म्हण्टात.

(1) लोकगीत (2) जानगीत (3) जानपद (4) लोकपद

39. धांपिल्या उच्चाराची कुरू कशी आसता ?

(1) ^ (2) ˅ (3) > (4) <

40. हांतुतले खंयचें उतर तत्सम न्हय ?

(1) ऐतिहासीक (2) चकचकीत (3) सामाजिक (4) भुगोलीक

41. ‘काव्य-भास आनी गाय-भास हाच्याभीतर तात्वीक कांयच भेद नासता’ अशें हांतुतल्या कोणे म्हटलां ?

(1) कॉलरिज (2) मॅथ्यू आर्नल्ड (3) एरिस्टॉटल (4) वर्ड्स्वर्थ

42. ‘की’ अव्ययाचो उपेग कोंकणीत अडेचो देखून :

(1) तो जाता तितलो टाळून वाक्य कोंकणीच्या मूळ सभावाक धरून रचचें.

(2) तो जाता तितलो कोंकणीच्या मूळ सभावाप्रमाण बरोवंचो.

(3) तो जाता जाल्यार टाळचो न्हस आनी कोंकणीच्या सभावाप्रमाण बरोवपाचो यत्न करचो.

(4) तो तसोच पुण कोंकणीच्या मूळ सभावाप्रमाण बरोवंचो.

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

43. हांतुतली खंयची एकांकी पुंडलीक नायक हांची न्हय ?

(1) खाटकागेर एक रात (2) काळखांतली पावलां

(3) पावणी (4) पांज

44. 'फाटली साडेतीन-चार शतमानां पश्चिमी साहित्यांत आनी देडेक शेंकडोभर भारतीय साहित्यांत आपणाली अग्रसुत घट करून बशिल्लो भोवांगी, सर्वपरिचित, असो निवेदनात्मक ललित गद्य प्रकार म्हळ्यार __________ .

(1) कथा (2) कादंबरी (3) निबंद (4) नाटक

45. 'हुनय' अशें व्हडल्या भावाल्या बायलेक उद्देशून कोंकणीचे कोणाले बोलीत म्हण्टात ?

(1) कुणब्याची बोली (2) गावड्याची बोली

(3) वेळीपाची बोली (4) साश्टीकारांची बोली

46. सकयल दिल्ली खंयची विधानां बरोबर आसात ?

(a) गोयांतल्या पुर्तुगेज सरकारांन १८३१ वर्सा पयले फावट अधिकृत शाळो सुरू केल्यो.

(b) पुर्तुगेज सरकारांन १६८४ वर्सा कोंकणीच्या मर्णाचें फर्माण काडलें.

(c) दिनकर देसायाचो कविता संग्रह १९८१ वर्सा उजवाडा आयलो.

(d) शांताराम विठ्ठल कामत हांचो कविता संग्रह १९४६ वर्सा उजवाडा आयलो.

(1) (a) आनी (b) (2) (a) आनी (d) (3) (a) आनी (c) (4) (a), (b), (c), (d)

47. 'शीं' हें एक कोंकणी उतर. मुदलांत 'शीत' ह्या संस्कृत उतरांतल्या निमाण्या अक्षराचो अपभ्रंशाच्या नेमानुसार लोप जावन आनी कोंकणीच्या सभावानुसार उरिल्या 'शी' अक्षरांत अनुनासिक भेटून हें उतर जाला अशें हांतुतल्या कोणाचें मत आसा ?

(1) शणै गोंयबाब (2) माधवी सरदेसाय (3) बाकीबाब बोरकार (4) सुरेश बोरकार

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

48. ''तुका जें केलेलें नाका॥

दुसऱ्याक करूं नाका॥

जें केलेलें जाय तुका॥

तेंच तूं रे कर ताका॥''

– हयो वळी हांतुतल्या कोणाल्या कवितेंतल्यो आसात ?

(1) मानवेल सालवादोर रूद्रीक्स (2) प्रो. बेनेट पिंटो

(3) जुजे आंतोनियु कोश्त (4) दियोगु मार्कुश फेर्नांदिश

49. 'अलंकार रत्नाकर' हो ग्रंथ कोणे बरयला ?

(1) रूय्यक (2) शोभाकरमित्र (3) विश्वनाथ (4) अप्पय्यदीक्षित

50. 'म्हजें भितरूच म्हाका पळोबंक लागलों. तेन्ना थंय म्हाका जें दिसलें हांव सांगता.' अशें आपल्या कसाल्या बरपासंदंभात आनी कोण म्हण्टा ?

(1) बाकीबाब बोरकार आपल्या कवितेसंदर्भात

(2) लक्ष्मणराव सरदेसाय आपल्या निबंधासंदर्भात

(3) पुंडलीक नायक आपल्या नाटकासंदर्भात

(4) दामोदर मावजो आपल्या कथेसंदर्भात

- o 0 o -

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com